चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	7.12.23	12	3-7

हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

विदेशी मेहमानों ने दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नार

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजा गानों व नृत्यों का जमकर आन लिया। फोटो 6 एचएसआर 24 सांस्कृतिक कार्यक्रम में अप प्रस्तुतियां देते कलाकार।

हिसार। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

विदेशी मेहमानों ने लहराया तिरंगा

कार्यक्रम की शुरूआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देक शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलीवुड गानों पर थिरकर सभी का म मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों व समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर स से वाही-वाही लूटी। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमा ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पू विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-12-23	4	1-5

सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुतियां देते कलाकार।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : भारतीय संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया

छात्रा ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर बांधा समां

हिसार, 6 दिसम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर व अमरीका की टेक्सास एएंडएम विश्वविद्यालय के संकाय फैलो प्रोफैसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलीवुड गानों पर थिरक कर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	7-12-23	12	2-6

हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

जलवायु परिवर्तन मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा

असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहें। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा।

असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है।

एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा

विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुरक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट पेश की

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही मंच संचालन डॉ. जयंति टोकस ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के.बहल, डॉ. साईदास, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अनिता भट्नागर, डॉ. अनिता दूआ व डॉ. बी.के.शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी मौजूद रहें।

विजेताओं को दिया सम्मान

▶▶ थीम-1 मौखिक प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका सरहंदी, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला

▶▶ पोस्टर प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिती, सीसीएसएचएयू, हिसार

▶▶ थीम-2 मौखिक प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा जी भट्ट, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- तुशादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारूलता, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला

▶▶ पोस्टर प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिन्द्रा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू, हिसार व सधान देबनाथ, यूमीयम, मेघालय

▶▶ थीम-3 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पुजा रावत, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेश्नल राइस रिसर्च इंसटीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया

▶▶ पोस्टर प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा आर्य, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार-सरिता रानी, सीसीएसएचएयू, हिसार

▶▶ थीम-4 -मौखिक प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली,

▶▶ द्वितीय पुरस्कारः दीपशिखा मंडल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली

▶▶ पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पीएयू, लुधियाना के तेनजिन; जबकि द्वितीय पुरस्कार- केवीके पंचकुला के राजेश लाठर

▶▶ थीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया

▶▶ पोस्टर प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू, हिसार के अरूलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल सांइस, सीसीएसएचएयू, हिसार की गुंजन ने प्राप्त किया

▶▶ थीम-6 मौखिक प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धारथा ने प्राप्त किया।

▶▶ पोस्टर प्रस्तुतिः प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिसार की वर्तिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	7-12-23	5	1-3

हिसार के हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए। -हप

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः विदेशी मेहमानों ने तिरंगा थाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

कुमार मुकेश/हप
हिसार, 6 दिसंबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें कई देशों से आए विदेशी मेहमानों ने अपने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया। इस पर विवि कुलपति मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया।

विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। वैज्ञानिक खेत्रिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एक-दूसरे की संस्कृति से हुए रूबरू

सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डु व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-12-23	4	2-8

हकृवि में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न, प्रो. कॉम्बोज बोले-

जलवायु परिवर्तन से निपटने को टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर हों

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने सभी का अभिवादन किया। विवि के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया। जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच संचालन डॉ.

मेहमानों को संस्कृति से रूबरू करवाया

हिसार | एचएयू के कृषि कॉलेज में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य न्यूट्री-2023 विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। एचएयू और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फोक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता, जिन्हें समापन समारोह में दिया सम्मान

थीम-1 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका सरहंदी, पीयू, पटियाला
पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिती, सीसीएसएचएयू, हिसार
थीम-2 मौखिक प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा भट्ट, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- तुशादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारूलता, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला
पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिन्द्रा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू, हिसार व सधान देबनाथ, यूमीयम, मेघालय
थीम-3 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पुजा रावत, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेश्नल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया
पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा आर्य, सीसीएसएचएयू, हिसार; द्वितीय पुरस्कार-सरिता रानी, सीसीएसएचएयू, हिसार
थीम-4 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली;
द्वितीय पुरस्कार : दीपशिखा मंडल, आईसीएआर- आईएआरआई, नई दिल्ली
थीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया
पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू, हिसार के अरूलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल सांइस, सीसीएसएचएयू, हिसार की गुंजन ने प्राप्त किया
थीम-6 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धारथा ने प्राप्त किया।
पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- एक्सटेशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिसार की वर्तिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।
थीम-7 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू, हिसार के आशुतोष लोवांशी ने प्राप्त किया।
पोस्टर प्रस्तुतिः आईसीएआर-एनआरसीई, हिसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।
थीम-8 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सीसीएसएचएयू, हिसार की लोचन शर्मा व पीयू सीसीएसएचएयू, हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।
थीम-9 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार एमपीयूएटी, उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया।
पोस्टर प्रस्तुतिः सीसीएसएचएयू, हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि भारत पटेल दूसरे स्थान पर रहे।
थीम-10 मौखिक प्रस्तुति : इंटरनेशनल राइस रिर्सच इंस्टीट्यूट के प्रोलॉय देब प्रथम, आईआरआरआई, साउथ एशिया रीजनल सेंटर, वाराणसी के माले कुमार भौमिक व सीसीएसएचएयू, हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।
पोस्टर प्रस्तुति वाईएसपी यूएचएफ, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू, हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।
थीम-11 मौखिक प्रस्तुति : सैंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम, मोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की रीतू छिकारा दूसरे स्थान पर रही।
पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।
थीम-12 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार की अन्नू रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के मंजीत ने प्रथम जबकि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	7-12-23	2	3-8

घटते कृषि उत्पादन के बीच कैसे मिलेगी वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा

- हकृवि में दुनियाभर से जुटे कृषि वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बेमौसमी तापमान में बढ़ोतरी होती जा रही है, जिस कारण वैश्विक स्तर पर कृषि उत्पादन लगातार घटता जा रहा है। यदि यही स्थिति रही तो निकट भविष्य में वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा पर सवालिया निशान लग जाएगा। इस दिशा में जहां वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों को नई तकनीक खजनी होगी वही मौसम विभाग के साथ भी तालमेल बैठाना होगा।

यह निष्कर्ष चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उभर कर सामने आया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर के कृषि वैज्ञानिकों ने एकत्रित होकर वैश्विक खाद्य पोषण विशेष संबंध जहां अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया वहीं भविष्य के खाद्य संकट पर भी खुलकर चर्चा की। समापन समारोह में हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना होगा

भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं।

एकीकृत कृषि पर भी देना होगा ध्यान

जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक-तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	7-12-23	5	2-5

हरियाणवी संस्कृति पर झूमे विदेशी मेहमान..

- हरियाणवी संस्कृति कार्यक्रम में मेहमानों ने कहा वॉव हरियाणवी कल्चर

हिसार(सच कहूँ/संदीप सिंहमार)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अंतिम दिन विदेशी मेहमानों के लिए ठेठ हरियाणवी अंदाज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कलाकारों ने जब हरियाणवी लोकगीतों पर दामण व धोती पहनकर नाच दिखाया तो विदेशी मेहमानों ने कहा-वॉव हरियाणवी कल्चर। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने जमकर आनंद लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी।

तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7-12-23	5	6-8

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : हकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

हिसार, 6 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवीं, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया।

हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए।

विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7-12-23	5	3-5

वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हिसार, 6 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहें। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही मंच संचालन डॉ. जयंति टोकस ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के.बहल, डॉ. साईदास, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अनिता भट्नागर, डॉ. अनिता दूआ व डॉ. बी.के.शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी मौजूद रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7-12-23	4	1-6

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए टिकाऊ खेती जरू

एचएयू में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' पर आयोजित सम्मेलन का समा

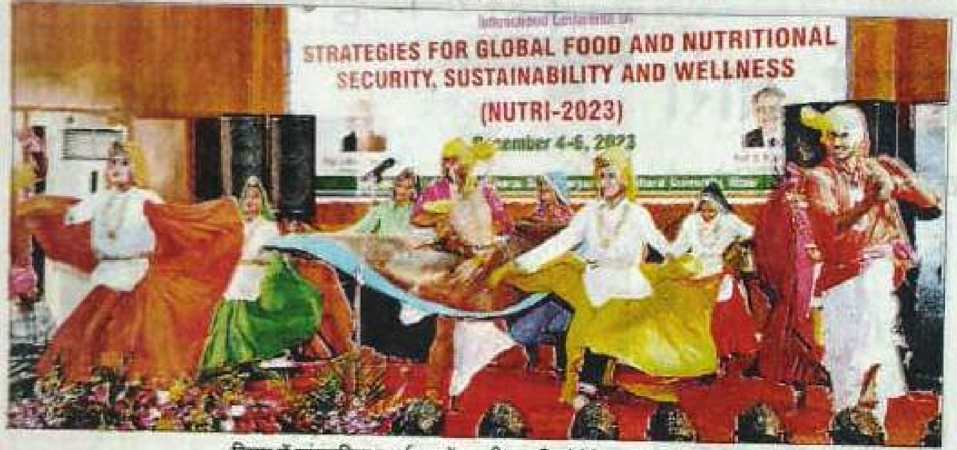

हिसार में सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुतियां देते कलाकार। संवाद

हिसार एचएयू में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. बीआर का सहित विदेशी मेहमान व कलाकार तिरंगा लहराते हुए। स्रोत आयोजक

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बतौर मुख्य अतिथि कही।

डॉ. डिटर एच. कुदज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया।

सम्मेलन में विजेताओं को किया गया सम्मानित

- **थीम-1 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार-डॉ. गीतिका मलहोत्रा, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- **पोस्टर प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा, द्वितीय पुरस्कार-अदिती, सीसीएसएचएयू, हिसार
- **थीम-2 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा भट्ट, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार-तुलादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारुलता, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला
- **पोस्टर प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिंद्र व जतिन शर्मा, द्वितीय पुरस्कार-इशान मुखर्जी, सीसीएसएचएयू व सधान देवनाथ, यूमीयम, मेघालय
- **थीम-3 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-पूजा रावत, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी
- **पोस्टर प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार- सुमेत्रा आर्य, सीसीएसएचएयू, द्वितीय पुरस्कार-सरिता रानी, सीसीएसएचएयू
- **थीम-4 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-सौरभ सुमन, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली, द्वितीय पुरस्कार-दीपशिखा मंडल, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली
- **पोस्टर प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-पीएयू लुधियाना के तेनजिन, द्वितीय पुरस्कार केवीके पंचकूला के राजेश लाठर।
- **थीम-5 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-सीसीएसएचएयू की डॉ. जतेश काठपालिया।
- **पोस्टर प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन, सीसीएसएचएयू के अरुलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, सीसीएसएचएयू, हिसार की गुंजन।
- **थीम-6 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार-यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धार्था।
- **पोस्टर प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्युनिकेशन मैनेजमेंट, सीसीएसएचएयू, हिसार की बंसिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया।
- **थीम-7 मौखिक प्रस्तुति**: प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू, हिसार के आशुतोष लोखंडे।
- **पोस्टर प्रस्तुति** : आईसीएआर-एनआरसीई, हिसार की भव्या पहले जबकि द्वितीय पुरस्कार जूलोजी विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार के राहुल कुमार।
- **थीम-8 मौखिक प्रस्तुति** : सीसीएसएचएयू, हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू, हिसार की लोचन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की गुरविंदर कौर।
- **पोस्टर प्रस्तुति** : पीएयू लुधियाना की अर्शदीप कौर ने प्रथम, सीसीएसएचएयू जबकि द्वितीय पुरस्कार हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की सिमरन
- **थीम-9 मौखिक प्रस्तुति** : प्रथम पुरस्कार एमपीयूएटी, उदयपुर के मोहित। पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि दूसरे स्थान पर पटेल।
- **थीम-10 मौखिक प्रस्तुति** : इंटरने राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोलीप देब प्र आईआरआरआई, साउथ एशिया रीजन सेंटर, वाराणसी के माने कुमार भौमिक सीसीएसएचएयू, हिसार के जगदीप सि द्वितीय स्थान। पोस्टर प्रस्तुति वाईएसपी यूएचएफ, सोलन अमीषा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू, हि की शिखा महता दूसरा स्थान।
- **थीम-11 मौखिक प्रस्तुति** : सेंट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनीता कु प्रथम जबकि मोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की हिकारा दूसरा स्थान।
- **पोस्टर प्रस्तुति** : सीसीएसएचएयू, हिस के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू लुधियान की अर्चना तिवारी दूसरा स्थान।
- **थीम-12 मौखिक प्रस्तुति** : सीसीएसएचएयू, हिसार की अन्नू रानी प्र जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान।
- **पोस्टर प्रस्तुति** : सीसीएसएचएयू, हिस के मंजीत ने प्रथम जबकि वाईएसपी यूएचएफ, सोलन की शिवानी ठाकुर ने दू स्थान पाया।

विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फोक इंडियन डांस की प्रस्तुतियां देकर संस्कृति से रूबरू करवाया। मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई। खुशिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनों वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लबों सुदाँ-पार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी। आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा। विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व एक परिवार का संदेश दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-12-23	3	1-8

'जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही कृषि में चुनौतियां'

वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. काम्बोज

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते आयोजक व मौजूद शिक्षाविद् व विद्यार्थी।

हिसार, 6 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. बुद्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

» तापमान में असमय बढ़ौतरी भी प्रभावित कर रही कृषि उत्पादन

» हकृवि में 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस का उपयोग, लेजर लैवलिंग, जीरो टिलेज न ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है, बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. बुद्ज ओस्नाब्रुक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इन विजेताओं को मिला सम्मान

» थीम-1 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार; द्वितीय पुरस्कार- डॉ. गीतिका सरहदी, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिती, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार

» थीम-2 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- डॉ. चित्रा जी भट्ट, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार; द्वितीय पुरस्कार- तुशादरी सिंह, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व चारूलता, आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., शिमला।

» पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के शाइला बिन्द्रा व जतिन शर्मा; द्वितीय पुरस्कार- इशान मुखर्जी, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार व सधान देबनाथ, यूमीयम, मेघालय।

» थीम-3 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पूजा रावत, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार; द्वितीय पुरस्कार- स्वतंत्र कुमार दुबे, इंटरनैशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया

» पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सुमंत्रा आर्य, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार; द्वितीय पुरस्कार- सरिता रानी, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार।

» थीम-4 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सौरभ सुमन, आई.सी.ए.आर., आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली; द्वितीय पुरस्कार : दीपशिखा मंडल, आई.सी.ए.आर.- आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली।

» पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पी.ए.यू., लुधियाना के तेनजिन; जबकि द्वितीय पुरस्कार- केवीके पंचकूला के राजेश लाठर।

» थीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की डॉ. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- एग्रीकल्चर एक्सटैंशन एजुकेशन, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के अरूलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टैक्सटाइल सांइस, सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार की गुंजन ने प्राप्त किया।

» थीम-6 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के सिद्धारथा ने प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमैंट, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की वर्तिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टैक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।

» थीम-7 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सी.सी.एस.एच.ए.यू हिसार के आशुतोष लोवांशी ने प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : आईसीएआर-एन.आर.सी.ई., हिसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।

» थीम-8 मौखिक प्रस्तुति : सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की लोचन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की गुरविंदर कौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : पीएयू लुधियाना की अर्शदीप कौर ने प्रथम, सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।

» थीम-9 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि भारत पटेल दूसरे स्थान पर रहे।

» थीम-10 मौखिक प्रस्तुति : इंटरनैशनल राइस रिर्सच इंसटीट्यूट के प्रोलॉय देब प्रथम, आई.आर.आर.आई., साऊथ एशिया रीजनल सैंटर, वाराणसी के माले कुमार भौमिक व सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।

» पोस्टर प्रस्तुति वाई.एस.पी. यूएचएफ, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।

» थीम-11 मौखिक प्रस्तुति : सैंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम जबकि गोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की रीतू छिकारा दूसरे स्थान पर रही।

» पोस्टर प्रस्तुति : सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पी.ए.यू. लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।

» थीम-12 मौखिक प्रस्तुति : सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार की अन्नू रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

» पोस्टर प्रस्तुति : सी.सी.एस.एच.ए.यू. हिसार के मंजीत ने प्रथम जबकि वाई.एस.पी. यू.एच.एफ., सोलन की शिवानी ठाकुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	06.12.2023	--	--

'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. गुरज ओखाबूक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमान तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा

है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के ऑर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाइमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिसिजन खेती, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा क्षरण, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, जैविक कीट और रोग प्रबंधन, फसल मॉडलिंग, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए संसाधन बाधाओं के तहत फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. गुरज ओखाबूक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जाहिर कर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रिसर्च इम्पैक्टफुल के प्रतिभागी टेक प्रथम, आई.आर.आर.आई. साउथ एशिया रीजनल सेंटर, वाराणसी के मानी कुमार भौमिक व सीसीएसएचएयू, हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रस्तुति वाईएसपी यूएचएफ, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू, हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रहीं।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही मंच संचालन डॉ. जयंति टोकस ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. मलिक, डॉ. [illegible], डॉ. देवकी नंदन, डॉ. अनिता भटनागर, डॉ. अनिल दुग्गल व डॉ. बी.के. शर्मा सहित देश-विदेश के संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक व शोधार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-12-23	3	2-8

जलवायु परिवर्तन से निपटने को दें टिकाऊ खेती को बढ़ावा

हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे, विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डा. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक व जापान से डा. टाकुरो शिनानो मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए मृदा के आर्गेनिक कार्बन को बढ़ाना, फसल अवशेषों को जलाने की बजाय खेत में ही मिलाना, क्लाईमेट स्मार्ट तकनीक जिसमें टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई, प्रिशिजन खेती, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, लेजर लेवलिंग, जीरो टिलेज व ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा में न केवल भोजन की उपलब्धता शामिल है बल्कि इसकी पोषण गुणवत्ता भी शामिल है। मृदा स्वास्थ्य, इनपुट उपयोग दक्षता, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्पादन तकनीक, जल संसाधन प्रबंधन, रिमोट के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए फसल और खेती प्रणाली के विकास पर ध्यान देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सही उपयोग करके गुणवत्ता से परिपूर्ण खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं।

जर्मनी से डा. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाबुरक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डा. टाकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय बताए व फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. राजेश गेरा, मंच संचालन डा. जयंती टोकस, डा. आरके बहल, डा. साईदास, डा. देवकी नंदन, डा. अनिता भटनागर, डा. अनिता व डा. बीके शर्मा आदि मौजूद रहे।

इन विजेताओं को दिया सम्मान

थीम-1 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- डा. रितु सीसीएसएचएयू हिसार, द्वितीय पुरस्कार डा. गीतिका सरहंदी पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सिमरन गुप्ता दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा, द्वितीय पुरस्कार अदिती सीसीएसएचएयू हिसार

थीम-2 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार डा. चित्रा भट्ट, सीसीएसएचएयू हिसार, द्वितीय पुरस्कार तुशादरी सिंह जीबी पंत यूनिवर्सिटी पंतनगर व चारुलता आइआइडब्ल्यूबीआर शिमला

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के शाइला बिन्द्रा व जतिन शर्मा, द्वितीय पुरस्कार इशान मुखर्जी सीसीएसएचएयू हिसार व सधान देबनाथ यूमीयम मेघालय

थीम-3 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पूजा रावत सीसीएसएचएयू हिसार, द्वितीय पुरस्कार स्वतंत्र कुमार दुबे इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट वाराणसी ने प्राप्त किया

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार सुमत्रा आर्य सीसीएसएचएयू हिसार, द्वितीय पुरस्कार सरिता रानी सीसीएसएचएयू हिसार

थीम-4 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार सौरभ सुमन आइसीएआर आइएआरआइ नई दिल्ली, द्वितीय पुरस्कार दीपशिखा मंडल आइसीएआर-आइएआरआइ नई दिल्ली

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के तेनजिन, जबकि द्वितीय पुरस्कार केवीके पंचकुला के राजेश लाठर

थीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार सीसीएसएचएयू हिसार की डा. जतेश काठपालिया ने प्राप्त किया

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एजुकेशन सीसीएसएचएयू हिसार के अरूलमनिकंदन ने जबकि द्वितीय पुरस्कार एपरेल एंड टेक्सटाइल साइंस सीसीएसएचएयू हिसार की गुंजन ने प्राप्त किया

थीम-6 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान अजमेर से के सिद्धारथा ने प्राप्त किया।

पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कोम्यूनिकेशन मैनेजमेंट सीसीएसएचएयू हिसार की वर्तिका श्रीवास्तव ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी दिल्ली की अनीशा काठपालिया ने प्राप्त किया।

थीम-7 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू हिसार के आशुतोष लोवाशी ने प्राप्त किया।

पोस्टर प्रस्तुति : आइसीएआर-एनआरसीई हिसार की भव्या पहले जबकि जुलोजी विभाग, सीसीएसएचएयू हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे।

थीम-8 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू हिसार की रीना चौहान प्रथम जबकि सीसीएसएचएयू हिसार की लोचन शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला की गुरविंदर कौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर प्रस्तुति : पीएयू लुधियाना की अर्शदीप कौर ने प्रथम, सीसीएसएचएयू हिसार के नविश कुमार कंबोज व पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की सिमरन द्वितीय स्थान पर रही।

थीम-9 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार एमपीयूएटी उदयपुर के मोहित ने प्राप्त किया।

पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू हिसार के राम नरेश प्रथम जबकि भरत पटेल दूसरे स्थान पर रहे।

थीम-10 मौखिक प्रस्तुति : इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोलाय देब प्रथम, आइआरआरआइ साउथ एशिया रीजनल सेंटर वाराणसी के माले कुमार भौमिक व सीसीएसएचएयू हिसार के जगदीप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।

पोस्टर प्रस्तुति वाईएसपी यूएचएफ, सोलन की अमीशा रानी प्रथम व सीसीएसएचएयू हिसार की शिखा महता दूसरे स्थान पर रही।

थीम-11 मौखिक प्रस्तुति : सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ हरियाणा की अनीता कुमारी प्रथम जबकि मोनाद यूनिवर्सिटी, यूपी की रीतु छिकारा दूसरे स्थान पर रही।

पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू लुधियाना की अर्चना तिवारी दूसरे स्थान पर रही।

थीम-12 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार की अन्नू रानी प्रथम जबकि प्रियंका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के मंजीत ने प्रथम जबकि वाईएसपी यूएचएफ, सोलन की शिवानी ठाकुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो बीआर काम्बोज। • जागरण

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर उपस्थित शिक्षाविद व विद्यार्थी। • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	06.12.2023	--	--

हकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

(चिराग टाइम्स न्यूज)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फोक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जियो सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एम. कुट्ज ओब्लाबुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद गोंडिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छैल मन का प्याला पाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-चार दिनों का प्यार गाना सुनाकर तालियां बटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी। हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरा करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.12.2023	--	--

वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा के माध्यम से मिलेगी प्रफुल्लता, समानता व समग्र स्वास्थ्य लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में आज 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. कुट्ज ओस्चाट्ज व जापान से डॉ. ताकुरो शिनानो मौजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रोधी किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि जर्मनी से डॉ. डिटर एच. कुट्ज ओस्चाट्ज ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में बढ़ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन को अपनाना होगा। जापान से डॉ. ताकुरो शिनानो ने इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी जताकर सभी का अभिनन्दन किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में रहे विजेताओं को दिया सम्मान

टीम-1 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- डॉ. रितु, सीसीएसएचएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- डॉ. नीतिका सरदाना, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला। पोस्टर प्रस्तुति: प्रथम पुरस्कार- शिवांश गुप्ता, दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; द्वितीय पुरस्कार- अदिति, सीसीएसएचएयू, हिसार। टीम-2 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- डॉ. विश जी भट्ट, सीसीएसएचएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- तुलसी सिंह, जेबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर व पारुल, आईआईडब्ल्यूबीआर, शिमला। पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के [illegible] नवीन शर्मा, द्वितीय पुरस्कार- ज्ञान कुमारी, सीसीएसएचएयू, हिसार व [illegible], गुवाहाटी, मेघालय। टीम-3 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पूजा [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- रमेश कुमार दुबे, इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाराणसी ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सुनीता आर्य, सीसीएसएचएयू, हिसार, द्वितीय पुरस्कार- [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार। टीम-4 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सीमा [illegible], आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली, द्वितीय पुरस्कार- [illegible], आईसीएआर- आईएआरआई, नई दिल्ली। पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- पीएयू, लुधियाना के [illegible], जबकि द्वितीय पुरस्कार- [illegible] के राजेश लाल। टीम-5 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- सीसीएसएचएयू, हिसार की डॉ. [illegible] ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] ने जबकि द्वितीय पुरस्कार [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] ने प्राप्त किया। टीम-6 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से के [illegible] ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार- [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] ने जबकि द्वितीय पुरस्कार दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, दिल्ली की [illegible] ने प्राप्त किया। टीम-7 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार पीएयू, लुधियाना के मनोज कुमार ने जबकि द्वितीय पुरस्कार सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : आईसीएआर-[illegible], हिसार की [illegible] जबकि [illegible], सीसीएसएचएयू, हिसार के राहुल कुमार दूसरे स्थान पर रहे। टीम-8 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] प्रथम जबकि सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] शर्मा व पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की [illegible] कौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : पीएयू लुधियाना की [illegible] कौर ने प्रथम, सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] कुमार [illegible] व पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की [illegible] द्वितीय स्थान पर रहीं। टीम-9 मौखिक प्रस्तुति : प्रथम पुरस्कार [illegible], उदयपुर के [illegible] ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] प्रथम जबकि [illegible] पटेल दूसरे स्थान पर रहे। टीम-10 मौखिक प्रस्तुति : इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के [illegible] प्रथम, आईएआरआई, [illegible] व सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] द्वितीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रस्तुति [illegible], सोलन की [illegible] प्रथम व सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] दूसरे स्थान पर रहीं। टीम-11 मौखिक प्रस्तुति : सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की [illegible] कुमारी प्रथम जबकि [illegible] यूनिवर्सिटी, [illegible] की [illegible] दूसरे स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के अंकुश ने प्रथम जबकि पीएयू, लुधियाना की [illegible] दूसरे स्थान पर रहीं। टीम-12 मौखिक प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार की [illegible] प्रथम जबकि [illegible] ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति : सीसीएसएचएयू, हिसार के [illegible] ने प्रथम जबकि [illegible] यूएचएफ, सोलन की [illegible] ठाकुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	06.12.2023	--	--

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से आए विशेषज्ञों ने 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर प्रस्तुत किए शोध पत्र

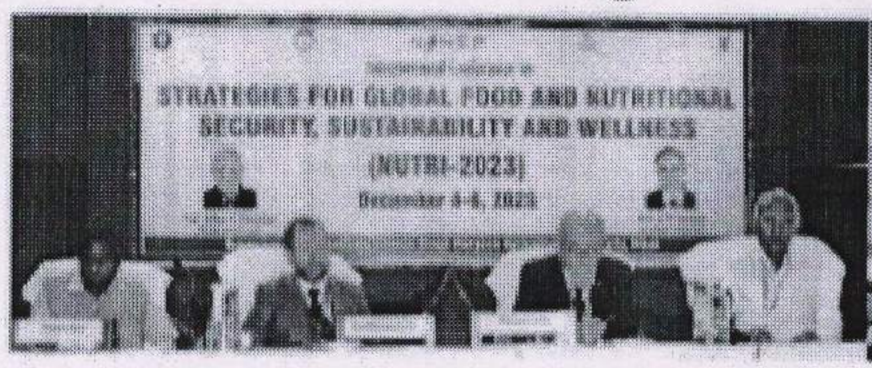

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 6 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश के शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों ने वैश्विक पोषण सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए बाजरा मोटा अनाज, कृषि-व्यवसाय के लिए कृषि-उद्यमिता और उद्योग संबंध, जलवायु परिवर्तन, संरक्षित कृषि, टिकाऊ कृषि के लिए संसाधन प्रबंधन और एकीकृत खेती, फसल उत्पादन में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन की विधियां, प्राकृतिक व जैविक खेती, कृषि उत्पादन बढ़ाने में सूक्ष्म जीवों का योगदान सहित अनेक विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। पहले सत्र का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन, संरक्षित कृषि, संसाधन प्रबंधन एवं एकीकृत कृषि प्रबंधन रहा, जिसमें जर्मनी से डॉ. विटर एच. सुदान ओस्बाबुक चेयरपर्सन रहे। उन्होंने वैश्विक जलवायु परिवर्तन विषय पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। साथ ही को-चेयरपर्सन ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फरियाओ ने ब्राजील में जोत प्रणाली प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में मॉडलिंग, सिमुलेशन तथा बिग डाटा प्रबंधन विषय पर चेयरमैन मैक्सिको से डॉ. मैक्सवेल मर्सीडीज ने कृषि खाद्य प्रणाली में टिकाऊपन के लिए डाटा प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। सह-चेयरमैन जापान से डॉ. ताकुरो शिनानो ने जापान की कृषि पर न्यूक्लियर हादसे के प्रभाव पर मुख्य शोध प्रस्तुत किया। तीसरे सत्र में किसानों तक आधुनिक तकनीकों को पहुंचाना विषय के अंतर्गत चेयरपर्सन फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर रीडेकर ने अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ फसल उत्पादन व समग्र विकास विषय पर व्याख्यान दिया, जबकि सह-चेयरमैन उदयपुर से आए मत्स्य विशेषज्ञ डॉ. बी.के. शर्मा रहे। डायरेक्टर अटारी डॉ. परविंदर श्योराण ने खाद की पराली प्रबंधन व डॉ. रामसिंह ने मेघालय राज्य के घरेलू स्तर पर खाद्य पदार्थों के सेवन के पैटर्न के बारे में चर्चा की।

चौथे सत्र में अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के संकाय फैलो प्रोफेसर बर्गिओ बी. कासारेज चेयरमैन की भूमिका निभाते हुए मशीनीकरण आधारित कृषि पद्धति विषय पर रणनीतियां बताई, जिसमें डॉ. मुकेश जैन ने सह-चेयरमैन की भूमिका निभाई। डॉ. सुरेंद्र ने मैटाबोलिक इंजीनियरिंग विषय पर व डॉ. सुखबीर चंद ने हाई थ्रोपुट फिनोटाइपिंग विषय पर अपने व्याख्यान दिए। पांचवें सत्र में फसल उत्पादन में जैविक व अजैविक तनाव प्रबंधन विषय के अंतर्गत पोलैंड से डॉ. टमाजो हतिकावा ने एग्रोबोटिक डाइवर्सिटी विषय पर मुख्य शोध प्रस्तुत किए व चेयरमैन की भूमिका अदा की, जबकि कजाकस्तान से डॉ. विक्टर कहालिन ने सह-चेयरमैन की भूमिका निभाई। छठे सत्र का विषय 'कृषि अर्थव्यवस्था के लिए कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण जीव, जलकृषि और पशुधन' रहा, जिसकी अध्यक्षता मिस्र से डॉ. हेशाम कनाडी ने की व जलवायु परिवर्तन और पशुधन उत्पादन: प्रभाव और अनुकूलन रणनीतियां' विषय पर व्याख्यान दिया। सातवें सत्र में फ्रांस से डॉ. योनाइक यादरी ने 'खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए उद्योग संपर्क और कृषि व्यवसाय' विषय पर व्याख्यान दिया, साथ ही सत्र की अध्यक्षता की। कजाकस्तान से डॉ. विक्टर काहालिन ने 'औषधीय फसल को कोविड-19 के खिलाफ दवाओं के स्रोत के रूप में उपयोग' विषय पर मुख्य शोध प्रस्तुत किया। आठवें सत्र में आईसीएआर, नई दिल्ली से आए डॉ. सेन साहा ने 'वैश्विक पोषण सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए मोटा अनाज' विषय पर अध्यक्षता कर अपना व्याख्यान दिया। नौवें सत्र में डेनमार्क से डॉ. आज़ाद जहूर ने फसल सुधार के लिए पारंपरिक प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, अनुवांशिक इंजीनियरिंग, जिनोमिक्स, प्रोटीयोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स' विषय पर अध्यक्षता करते हुए अपना व्याख्यान दिया। दसवें सत्र में जापान से प्रोफेसर यो तोया ने 'स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक और जैविक खेती' विषय पर अपने व्याख्यान दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सेटी पल्स न्यूज	06.12.2023	--	--

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : हकृवि में विदेशी मेहमानों ने तिरंगा लहराकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का नारा

सिटी पल्स न्यूज,हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्थिरता व स्वास्थ्य (न्यूट्री-2023) विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय और हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फॉक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओखाबुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खोत्रिका ने बॉलिवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी।

विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थाम दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

हकृवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने हाथों में तिरंगा थामकर वसुधैव-कुटुम्बकम के नारे को पूरक करते हुए पूरा विश्व-एक परिवार का संदेश दिया, जोकि मुख्य आकर्षण का केंद्र बना।

इस बेहतरीन प्रस्तुति पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विदेशी मेहमानों का आभार जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र अंकित व संतोष ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-12-23	4	6-8

सर्दकालीन मक्का, सरसों व गन्ने की फसलों को लेकर एडवाइजरी जारी

सरसों में तना गलन रोग के बचाव के लिए कीटनाशक का करें छिड़काव

भास्कर न्यूज़ | हिसार

सरसों की फसल में तना गलन रोक का प्रकोप जिन इलाकों में हर साल होता है, वहां इसकी देखभाल जरूरी है। जिन क्षेत्रों में प्रकोप हर साल होता है, वहां बिजाई के 45 से 50 दिन बाद कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें। तना गलन की रोकथाम के लिए दो छिड़काव करने की आवश्यकता है, दूसरा छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सरसों में बिजाई के 35-40 दिन बाद पहली सिंचाई करें तथा सिंचाई के साथ बची हुई यूरिया आधी मात्रा 35 किलोग्राम डालें। सिंचाई के दौराल हल्का पानी लगाएं और पानी को खड़ा न होने दें। जिन खेतों में पानी का ठहराव ज्यादा देर तक रहता है वहां पौधे मर जाते हैं।

हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि गन्ने की बेहतर मोढी फसल उगाने के लिए कटाई जमीन की सतह के साथ करें। मोढी फसल की बेहतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए पौधे की फसल की कटाई के बाद मिट्टी की सतह पर ट्रैश मल्च का प्रयोग करना चाहिए। बीज वाली फसल में 15 से 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें और यदि पानी की उपलब्धता कम हो तो दूसरे खूड में सिंचाई करें। तराई बेधक कीट की रोकथाम हेतु गन्ने की फसल को गिरने से बचाएं व अच्छी प्रकार पत्तियों की बंधाई करें, पुरानी पत्तियों को उतार देना चाहिए। लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें, व लाल सड़न रोग से ग्रसित खेत में मोढी की फसल न लें।

मक्का को कीड़ों से बचाव को रेत व चूने का मिश्रण छिड़कें

- सर्दकालीन मक्के की फसल के दौरान मौसम के थोड़ा गर्म रहने पर इसमें कीड़ों का प्रकोप हो सकता है। इसलिए खेत का निरीक्षण लगातार करना चाहिए। गोभ में यदि कीड़ों का आक्रमण है तो आवश्यकतानुसार रेत व चूने के मिश्रण को गोभ में बुरकें।
- मक्के की फसल के घुटनों तक होने पर यूरिया की दूसरी खुराक 15 किलोग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। यदि मक्का की फ़सल के साथ अंतर फसलें ली हैं तो खाद की सिफारिश अलग से फसल के अनुसार डालें। मक्का की फसल को ठंड व पाले से बचाने कि लए सायंकाल में हल्की सिंचाई करें।

गन्ने की इंटर क्रॉप के साथ लें कम अवधि की फसलें

गन्ने की इंटर क्रॉप लेते समय कम अवधि की किस्मों को उगाना चाहिए। अंतर फसल की सीधी व कम फैलने वाली किस्में, दोनों फसलों की अनुशंसित खुराक व चयनात्मक शाकनाशी का प्रयोग करना चाहिए। अंतर फसलों की कटाई तक इनकी आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गन्ने की फसल में 20 दिन के अंतराल के बाद सिंचाई करते रहें।